













जुकरबर्ग ने टिवटर की लागत में कटौती के लिए मस्क की तारीफ की



नई दिल्ली। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने टिवटर को लेकर एलन मस्क की प्रशंसा की है। उड़ानें कहा, मस्क ने कंपनी की लागत में कटौती है, जो कुल लंबाई इंडस्ट्री के लिए अच्छा है। 'द लेक्स फिडेन पोडकास्ट' से में जुकरबर्ग की कहा कि मस्क ने टिवटर की लागत में कटौती करने का बहतरीन कदम उठाया। जुकरबर्ग ने होस्ट से कहा, मुझे लगता है कि वे आम तौर पर अच्छे बदलाव थे, जो इंडस्ट्री के लिए शाद अच्छा रहा। मेरी समझ के मुताबिक, बहुत सारे अन्य लोग यहीं बदलाव चाह रहे थे।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी कर्नाटक में बीजेपी बंटी हुई है

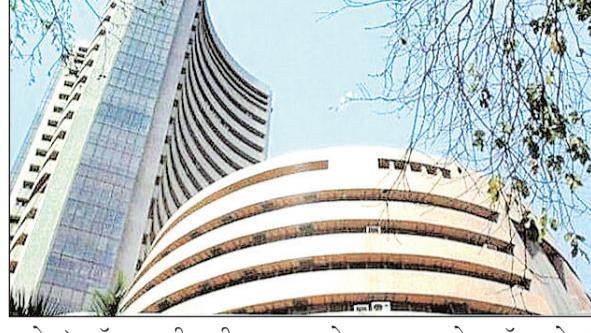
बैंगलुरु। विधानसभा चुनाव में सिर्फी करारी हार और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरे दक्षिण भारत में अपना जनाधार खोने के बाद भी कर्नाटक भाजपा इकाई अभी भी एक बांड हुआ घर है। एकता और कैटर में एक साथ लड़ने की भावना को बढ़ावा देने के लिए पार्टी नेतृत्व संघर्ष कर रहा है। जिस भागवा पार्टी ने एक बार एक मज़बूत ताकत के रूप में उभरने और दक्षिण भारत में पैठ बनाने के सभी संकेत दिए, वह बुरी तरह से पिछड़ा रहा। जारी ही है कि कर्नाटक चुनाव के परिणाम घाँसित हुए लगभग एक महीना हो चुका है।

## भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा पांचवां स्टॉक मार्केट

## 33 साल में निवेशकों की संख्या 11 करोड़ के पार

एजेंसी। मुम्बई

भारतीय स्टॉक मार्केट हाल ही में एक बार फिर प्रांत के पांचवां सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया। अपेक्षिती शार्ट सेविंग्स फर्म हिंडूनगर की रिपोर्ट आने के बाद (24 जूनवरी 2023) अडाणी समूह के शेयरों में आई भारी बिकवाली की वजह से इसी साल जनवरी के दौरान यह खिसककर छठे स्थान पर चला गया था। लेकिन अडाणी समूह के शेयरों में आई बिकवाली और बिडेशी निवेशकों की तरफ से की राही लिया गया था। लेकिन 2 लाख करोड़ डॉलर यानी 164 लाख करोड़ के मार्केट कैप को छूने में अगले 10 मई 2021 को भारतीय शेयर बाजार अपने खोए हुए स्थान को फिर से हासिल करने में कामयाब रहा है। 12 मई 2007 को भारतीय शेयर बाजार ने एक ट्रिलियन (लाख करोड़ 82) के पार निकलकर 82 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप को पहली बार हासिल किया था। लेकिन 2 लाख करोड़ डॉलर यानी 1990 को इन्होंने स्टॉक ब्रोकर्स एंड ड्रिंग शुरू की। 1875 में इन्होंने अपना 'द नेटिव शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स एंड सेविंग्स' बना लिया। साथ ही दलाल स्ट्रीट पर एक लियाती के दम पर भारतीय शेयर बाजार अपने खोए हुए स्थान को फिर से हासिल करना पड़ा। आखिरकार, 16 मई 2017 को शेयर बाजार ने 1 ट्रिलियन (लाख



लियाती के दम पर भारतीय शेयर बाजार अपने खोए हुए स्थान को फिर से हासिल करना पड़ा। आखिरकार, 16 मई 2017 को शेयर बाजार ने 1 ट्रिलियन (लाख

बरगद के पेड़ के नीचे हुई थी भारतीय शेयर की शुरूआत

शुरूआत चार गुजराती व एक पारसी शेयर ब्रोकर्स ने की थी। 1850 में वे मुम्बई के टाउन हॉल के सामने लगे बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर विधिन व्यापारियों के साथ बैठक किया करते थे। ब्रोकर्स की संख्या लगातार बढ़ती रही। इसके साथ ही 1855 में इन्होंने

स्टॉक ब्रोकर्स एंड सेविंग्स' बना लिया। साथ ही दलाल स्ट्रीट पर एक लियाती के पार निकलकर 11.44 करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई 1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार के स्तर को छुआ था। 1 हजार से 10 हजार तक आने लिया।

में इसे तकरीबन 16 साल लगे (6 फरवरी 2006)। लेकिन 10 हजार से 60 हजार तक के सफर को केवल 15 साल में पूरा कर लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44 करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई 1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहुंच गई है। 25 जूलाई

1990 को इए सेवेंस ने पहली बार 1 हजार तक आने लिया।

करोड़ के पार निकलकर 11.44

करोड़ पर पहु

‘जो व्यक्ति सिर्फ बोलता रहता है वह ज्ञानी नहीं कहलाता बल्कि जो व्यक्ति शांतिपूर्ण प्रेमपूर्ण और निर्भय है वास्तव में वही ज्ञानी ह’ - गौतम बुद्ध

## गिरते मानवीय मूल्य

हाल के वर्षा में यह देखा जा रहा है कि अपने ही अपनों के जान के दुश्मन बन रहे हैं। यह एक बीमारी है। पिछले दिनों मानवता को शर्मसार करने वाली घटनायें घटी हैं। मसलन साहिबगंज जिले के बोरियो थाना क्षेत्र में एक जंगल से मानव शरीर के कई टुकड़े बरामद किए गये। अगले ही दिन पुलिस ने पता लगा लिया कि शव के ये टुकड़े एक आंगनबाड़ी सेविका मालोती सोरेन के हैं। रोंगटे खड़ी करने वाली यह वारदात किसी और ने नहीं, उसके पति तालू किस्कु ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर की थी। वजह यह कि तालू किस्कु को एक दूसरी महिला से प्यार हो गया था और कुछ महीनों से वह उसे पती की तरह रखने लगा था। दूसरी मोहब्बत के जुनून में उसने अपनी पती की न सिर्फ हत्या की, बल्कि शव के टुकड़े-टुकड़े कर इसलिए फेंक दिया कि उसके सभी अवशेष जंगली जानवर का आहार बन जाएं। इसके पहले इसी जिले के इसी थाना क्षेत्र में ऐसी ही वारदात हुई थी। आदिम जनजाति की रेखिका पहाड़िन नामक युवती की हत्या के बाद उसके शव के 50 टुकड़े कर डालने की वारदात ने हर किसी को दहलाकर रख दिया था। इससे पहले रेखिका से लव मैरिज करने वाले दिलदार अंसारी ने अपनी मां, मामा और रिश्तेदारों के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतारे और उसे ठिकाने लगाने के लिए दरिदरी का ऐसा भयावह प्लॉट रचा कि उसकी हड्डियों और मांस के बचे-खुचे

टुकड़ों का पोस्टमॉर्टम करते हुए डॉक्टर भी सिहर उठे। दुमका में बीते साल 12वीं की छात्रा अंकिता सिंह पर पेट्रोल उड़ेलकर शाहरुख और उसके साथी नईम ने आग लगा दी थी। मामला एकतरफा मोहब्बत का था। वारदात के आरोपी शाहरुख को गिरफ्तार किए जाने के बाद जब जेल ले जाया जा रहा था, तो उसकी बेशर्म हँसी का वीडियो वायरल होने के बाद इस वारदात पर पूरे देश, खास तौर पर सोशल मीडिया पर लाखों लोगों ने गुरसे का इजहार किया था। आगे देखें तो जमशेदपुर में एक चर्चित शख्स कहन्या सिंह की हत्या उनके घर की सीढ़ियों पर कर दी गई। पुलिस ने एसआईटी बनाकर तपतीश के बाद जब इस मामले का खुलासा किया तो पूरा शहर चौंक उठा। उनकी बेटी अपर्णा ने ही अपने प्रेमी राजवीर सिंह के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची थी। यह मामला भी प्रेम प्रसंग से जुड़ा था। रामगढ़ जिले के पतरातू में चंचल कुमारी नामक एक लड़की ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने छोटे भाई रोहित की हत्या कर शव को उसी क्वार्टर में दफना दिया था, जहां वह अकेली रहती थी। कई हफ्तों के बाद पुलिस ने इस वारदात का खुलासा किया था। दरअसल मोहब्बत और नफरत के जुनून में खून कर डालने की ऐसी वारदात झारखण्ड में अब आम हो गई है। यह मानवता के नाम पर काला धब्बा है। ऐसे में सवाल उठता है कि ऐसी घटनायें हमारे दरवाजे पर क्यों दस्तक दे रही हैं। सवालों के बने जंगल में देखने पर पता यह चलता है कि हमारी संवेदनायें बिल्कुल मर गयी हैं। ऐसे में ऐसी वारदात को पुलिसिंग के जरिये नहीं रोका जा सकता। घर की चहारदीवारी के भीतर बैठकर इस तरह के अपराध की योजना बनाने वाले अपराधी कोई पेशेवर तो होते नहीं कि उन्हें पुलिसिंग के सर्विलास पर रखकर क्राइम करने से रोका जा सके। इसकी बजहे कहीं न कहीं सामाजिक, परिवारिक और नैतिक मूल्यों में गिरावट में तलाशी जानी चाहिए, और इनका समाधान भी वहीं ढूँढ़ा जाना चाहिए। पुलिस पर यह जिम्मेदारी जरूर है कि ऐसे मामलों में वैज्ञानिक तरीके से इन्वेस्टिगेशन के साथ साक्ष्य जुटाये और मजबूत चार्जशीट एवं डायरी तैयार कर उन्हें अदालतों से सख्त सजा दिलाने में तपतरा दिखाये।

एक राष्ट्र के पास प्रगति करने के लिए सभी सकारात्मक गुण हो सकते हैं और इसके लोगों के पास महानांता की आकांक्षा के लिए सभी ऊर्जा हो सकती है। हालांकि, जब तक राष्ट्र मौलिक रूप से सुरक्षित नहीं है और पड़ोसियों और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के अन्य लोगों के साथ इसके संबंध भी संतुलित नहीं हैं, तब तक प्रगति मृग-मरीचिका ही हो सकती है। पिछले नौ वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति डोमेन के संदर्भ में भारत के स्टॉक में उतनी अधिक वृद्धि हुई है, जितनी पहले कभी नहीं हुई। इससे यह सुनिश्चित होता है कि राष्ट्रीय विकास के अन्य सभी पहलू संसाधनों या रास्ते में बाधाओं की चिंता किये बिना निरंतर प्रगति हो रही है। विदेश नीति के संदर्भ में एक बहुपक्षीय दृष्टिकोण द्वारा समर्थित तटस्थली के एक तत्व ने भारत को हितों पर आधारित नीति का पालन करने का मार्ग दिया है, जहां आपसी हितों की पूर्ति होती है। उच्च स्तर के वैश्विक नेताओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की

व्यक्तिगत पहुंच ने सुनिश्चित किया है कि हमारे स्टॉक में केवल वृद्धि हुई है। सबसे अच्छा उदाहरण वह संबंध है जो उन्होंने सभी काफी विविध दृष्टिकोणों के साथ तीन अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ स्थापित किया था। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि 2+2 अवधारणा के माध्यम से लगातार परामर्श को शामिल करते हुए भारत-अमेरिका संबंध लगातार आगे बढ़े हैं। अमेरिका ने यह सुनिश्चित किया है कि उसके प्रतिबंधों के तहत देशों से अधिग्रहण के क्षेत्र में भारत के हितों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। यह यूक्रेन युद्ध पर भी भारत के रुख का निरंतर सम्मान करता है। मध्य-पूर्व में भी, भारत द्वारा अपनाई गई एक स्वतंत्र नीति ने खाड़ी देशों के साथ फलते-फलते संबंधों को सुनिश्चित किया है, जहाँ 8 मिलियन प्रवासी रहते हैं और काफी धन स्वेदेश भेज रहे हैं। इसके अलावा, भारत अब वेस्टर्न क्वाड का सदस्य बन गया है जो इजरायल, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) (आईआईयू) के साथ साझेदारी को दर्शाता है। भारत के भू-राजनीतिक कद में वृद्धि का

# देश में विपक्षी एकता के निहितार्थ

राजनीति में कब बया हो जाय कुछ भी विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता। आज से कुछ ही दशक पूर्व जिस प्रकार से विषय के राजनीतिक दल कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास करते थे, वैसे ही प्रयास आज भी हो रहे हैं। इस बार के प्रयासों में कांग्रेस और जुड़ गई है। विगत दो लोकसभा के चुनावों के परिणाम स्वरूप देश में जो राजनीतिक हालात बने हैं, उसमें स्वाभाविक रूप से विषय अपनी जमीन को बचाने की कवायद करने की ओर चिंतन और मंथन करने लगा है। इसके लिए विषयी एकता के फिर से प्रयास भी होने लगे हैं। एकता के प्रयोग के लिए इस बार बिहार की भूमि को चुना है। इसलिए स्वाभाविक रूप से कहा जा सकता है कि इस प्रयास में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुखिया की भूमिका में होगे। हालांकि नीतीश कुमार के बारे में राजनीतिक विशेषक यह खुले तौर से स्वीकार करने लगे हैं कि नीतीश कुमार अपनी स्वर्वं की राह पर ही चलते हैं, ऐसे में वे दूसरे दलों की कितना मानेंगे, इस बारे में राजनीतिक अस्पष्टता का भी आधार होता है। हम यह भली भांति जानते हैं कि बिहार में कभी भाजपा के साथ तो कभी भाजपा के विरोधी दलों के साथ चुनावी मैदान में नीतीश कुमार ने दांव खेला। दोनों ही स्थितियों में नीतीश कुमार अपनी सत्ता को बचाने में सफल भी हुए। यहां यह विशेषण का विषय हो सकता है कि नीतीश कुमार ने जब पहली बार बिहार की सत्ता संभाली, तब वह लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के खिलाफ चुनाव लड़े और वही उनके राजनीतिक शत्रु भी थे। लेकिन इस बार स्थिति बदली है। अब नीतीश कुमार राष्ट्रीय

**सुरेश हिन्दुस्तानी**

विगत दो लोकसभा के  
चुनावों के परिणाम  
स्वरूप देश में जो  
राजनीतिक हालात बने हैं,  
उसमें स्वाभाविक रूप से  
विपक्ष अपनी जमीन को  
बचाने की कवायद करने  
की ओर चिंतन और मंथन  
करने लगा है।

राजनीति

१०

श्रेष्ठ बताने का खेल भी खेलेंगे। हम जानते ही हैं कि विपक्षी दलों में कोई किसी से पांछे रहना नहीं चाहता। चाहे वह राहुल गांधी हों, नीतीश कुमार हों या फिर ममता बनर्जी, चाहे शरद पवार हों या फिर अखिलेश यादव। या फिर जिनका जनाधार खिसक गया हो, ऐसे वामपंथी नेता ही क्यों न हो। सब के सब स्वयं नेतृत्व करने की सोच रहे होंगे। इसमें अभी प्रमुख नाम ही लिए हैं। हो सकता है कि और भी फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसी नेता हाँ जो ऐसे ही सपने बुन रहे हों।

# नौ साल के प्रतिष्ठित नेतृत्व ने भारत को प्रेरित किया



सैयद अता हसनैन

विकास (आर एंड डी) समुदाय को बहुत प्रोत्साहन मिला है। महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा की बचत आर्थिक स्थिरता और 2030 से पहले 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था होने के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करेगी। अनिश्चितता से जुड़े जेखिम वाले क्षेत्रों के डोमेन में अपने बढ़ते कद के कारण इंडो पैसिफिक क्षेत्र ने बहुत ध्यान आकर्षित किया है। आसियान तक पहुंच के माध्यम से, गणतंत्र दिवस 2018 के लिए शासनाध्यक्षों/देशों के प्रमुखों को निमंत्रण, राष्ट्रों के समूह (क्वाड) के सदस्यों के साथ सक्रिय भागीदारी, राजनीतिक और सैन्य कूटनीति का प्रभावी उपयोग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की दक्षिण प्रशांत क्षेत्र की यात्रा में इस क्षेत्र पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है, जो आवश्यकता होने पर, भविष्य के समूहों और साझेदारी के लिए एक शुभ संकेत है। पड़ोसी देश कभी भी सरकार के फोकस से दूर नहीं रहे हैं। भारत ने अभूतपूर्व आर्थिक संकट से निपटने के लिए श्रीलंका को 3.8 बिलियन डॉलर की सहायता प्रदान की। बांग्लादेश, मालीदाव और नेपाल के साथ संबंध सामान्य रहे हैं, और विशेष रूप से भारतीय सॉफ्ट पावर के संबंध में अफगानिस्तान के साथ यह अप्रत्याशित रूप से सकारात्मक दिशा में विकसित हो रहा है। नौ वर्षों के सशक्त और तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में भारत ने तेजी से वृद्धि की है और नियन्त्रित स्थिर राष्ट्रों की श्रेणी में एक उच्च पायदान की आकांक्षा कर सकता है। जी20 की अध्यक्षता मिलना भारत से अपेक्षाओं का प्रमाण है और जी7 में आर्मत्रित होने से भारत को जो स्थान मिला है वह निश्चित रूप से गैरवपूर्ण है।

जरुरी नहीं हमेशा  
बुरे कर्मों की वजह से ही  
दर्द सहने को मिले,  
कई बार हृद से ज्यादा अच्छे  
होने की भी

जरुरी नहीं हमेशा  
बुरे कर्मों की वजह से ही  
दर्द सहने को मिले,  
कई बार हृद से ज्यादा अच्छे  
होने की भी

# बालश्रम की मार से असहाय बचपन-बेहाल बचपन

**बालश्रम की समस्या पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। हालांकि इसके समाधान के लिए बालश्रम पर प्रतिवंध लगाने हेतु कई देशों द्वारा कानून भी बनाये गये हैं लेकिन फिर भी स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। बालश्रम के प्रति विरोध तथा इसके लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 12 जून को दुनियाभर में 'बालश्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसकी शुरूआत 'अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन' (आईएलओ) द्वारा वर्ष 2002 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को बालश्रम से बाहर निकालकर शिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। बच्चों की समस्याओं पर विचार करने के लिए पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय प्रयास अक्टूबर 1990 में न्यूयार्क में विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था, जिसमें गरीबी, कुपोषण और भुखमरी के शिकार दुनियाभर के करोड़ों बच्चों की समस्याओं पर 151 देशों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श किया था। हालांकि चिंता की बात यही है कि बालश्रम निषेध दिवस मनाते हुए 21 वर्ष बीत जाने के बाद भी बालश्रम पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। बढ़ती जनसंख्या, निर्धनता, अशिक्षा, बेरोजगारी, खाद्य असुरक्षा, अनाथ, सस्ता श्रम, मौजूदा कानूनों का दृढ़ता से लागू न होना इत्यादि बालश्रम के अहम कारण हैं। बालश्रम के ही कारण बच्चे शिक्षा से वर्चित हो जाते हैं, उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बाल अपराध बढ़ते हैं और भिक्षावृत्ति, मानव अंगों के कारोबार तथा यान शोषण के लिए उनकी गैर कानूनी खरीद-फरोख होती है। आईएलओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्वभर में सोलह करोड़ से भी ज्यादा बच्चे बाल मजदूरी करने को विवश हैं, जिनमें से करीब**

7.3 करोड़ बच्चे बहुत बदर परिस्थितियों में खतरनाक कार्य कर रहे हैं, जिनमें सफाई, निर्माण, कृषि कार्य, खदानों, कारखानों में तथा फेरी वाले व घेरेलू सहायक इत्यादि के रूप में कार्य करना शामिल हैं। आईएलओ के अनुसार हाल के वर्षों में खतरनाक श्रम में शामिल 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या बढ़कर कीरीब दो करोड़ हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 15 से 24 वर्ष आयु के 54 करोड़ युवा श्रमिकों में से 3.7 करोड़ बच्चे हैं, जो खतरनाक बालश्रम का कार्य करते हैं। कोरोना महामारी के बाद तो इन आंकड़ों में जबरदस्त वृद्धि होने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य के तहत हालांकि वर्ष 2025 तक बाल मजदूरी को पूरी तरह से खत्म करने का सकल्प लिया गया है लेकिन पूरी दुनिया में बालश्रम के आंकड़े जिस प्रकार बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए फिलहाल ऐसा होता संभव नहीं दिखता। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि दुनियाभर में 13 करोड़ से भी ज्यादा बच्चे किसी न किसी कारण स्कूल नहीं जा पाते। वैसे दुनिया के विभिन्न देशों में बालश्रम को लेकर बच्चों की अलग-अलग आयु निर्धारित है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार श्रम करने वाले 18 वर्ष से कम आयु वालों को बाल श्रमिक माना गया है जबकि आईएलओ के मुताबिक बालश्रम की उम्र 15 वर्ष तय की गई है। अमेरिका में 12 वर्ष अथवा उससे कम उम्र वालों को बाल श्रमिक माना जाता है जबकि भारतीय सर्विधान के अनुसार किसी उद्योग, कारखाने या कम्पनी में कार्य करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें कार्य से हटाने और गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था।

A portrait photograph of Dr. S. Venkateswaran, a middle-aged Indian man with a mustache, wearing a dark blue zip-up shirt. He is standing indoors, with a blurred background showing what appears to be a room with shelves or displays.

यांगश कुमार गायल

बढ़ती जनसंख्या,  
निर्धनता, अशिक्षा,  
बेरोजगारी, खाद्य  
असुरक्षा, अनाथ, सस्ता  
श्रम, मौजूदा कानूनों का  
दृढ़ता से लागू न होना  
इत्यादि बालश्रम के  
अद्वाय कल्पना हैं।

अहम् कारण ह।

। हालांकि भारत में बाल श्रम निषेध व नियमन) अधिनियम 1986 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र व बच्चों के जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए अहिंतकर माने गये किसी भी कार के अवैध पेशों तथा कई क्रियाओं में नियोजन को निषिद्ध नहाता है। वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय ने भी अपने फैसले में विधीय और राज्य सरकारों को उत्तरानक प्रक्रियाओं तथा पेशों में विर्य करने वाले बच्चों की पहचान बतारने, उन्हें कार्य से हटाने और व्यवसायुक्त शिक्षा प्रदान करने का देंश दिया था।



**व्या** डालना आसान नहीं है। लोगों के लिए न केवल व्यायाम के लिए समय निकलना एक प्रमुख कारक है बल्कि दर्द और चोटों का डर भी एक कारण है कि लोग व्यायाम शुरू करने से कठिन हैं। व्यायाम करने की आदत डालना आसान नहीं है। लोगों के लिए न केवल व्यायाम के लिए समय निकलना एक प्रमुख कारक है बल्कि दर्द और चोटों का डर भी एक कारण है कि लोग व्यायाम शुरू करने से कठिन हैं। हालांकि, जरूरी नहीं कि व्यायाम करने से दर्द हो या चोट लगे। यहाँ कुछ सरल चीजें दी गई हैं, जिन्हें अप व्यायाम शुरू करते समय दर्द और चोट के जोखिम से बचने के लिए कर सकते हैं। 'वार्म-अप' (व्यायाम से पहले शरीर का तापमान बढ़ाना) व्यायाम से पहले खुद को 'वार्म-अप' करना महत्वपूर्ण है। इससे मासंपेशियों और पुरे शरीर का तापमान बढ़ जाता है। वह

## व्यायाम की शुरूआत करते समय दर्द और चोट से बचने के तरीके

अपके शरीर को व्यायाम के बढ़ते बोझ के लिए भी तैयार करता है। वार्म-अप के बाद गर्म हुई मासंपेशियां लंबे समय तक व्यायाम करने में सक्षम हो पाती हैं। इससे दर्द और चोट का जोखिम भी कम हो जाता है। असल में एक प्रभावी व्यायाम शुरू करते समय अपनी क्षमता से अधिक कसरत करना लिए धिन्ह से हो सकते हैं। लेकिन, सामान्य तौर पर अपके कसरत शुरू करने से पहले कम से कम पांच से दस मिनट का समय वार्म-

अप करने के लिए देना चाहिए। उदाहरण के तौर पर दौड़ने से पहले ठहलना या तेज कदमों से चलना चाहिए या भारी बजन उठने से पहले हल्का बजन उठाना चाहिए। व्यायाम शुरू करते समय अपनी क्षमता से अधिक कसरत करना लिए धिन्ह से हो सकते हैं। लेकिन, सामान्य तौर पर अपके कसरत शुरू करने से पहले कम से कम आपको चोटिल होने की आशंका भी बढ़ सकती है। जब

बचने के लिए अपने शरीर की सुने और जब आप थका हुआ महसूस करें तो रुक जाएं। प्रयोक साहार आसान करने के लिए एक या दो दिन का समय देना व्यायाम की थकान से उत्तरने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, इन दिनों में केवल बैठे रहना और कुछ भी नहीं करने की आवश्यकता नहीं है। मासंपेशियों को उत्तर आरम्भ मिलने से दर्द और चोट को जोखिम से बचाव संभव है। आपके दिनों में ठहलना या योग जैसे कम थकाने वाले व्यायाम शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, अलग-अलग दिन धिन्ह तरह की कसरत करने से यह आपको मासंपेशियों को बार-बार एक ही तरह का काम करने से बचाएगा। उचित तरीका सीखें व्यायाम शुरू करते समय शुरूआती दौर में ही कसरत का सही तरीका विकसित करना महत्वपूर्ण है। शुरूआत में, धीरोगी गति बनाएं और विभिन्न प्रकार के व्यायामों को करने की आदत डालें और तुरंत बहुत अधिक बजन नहीं उड़ाएं। इससे आपको चोट लगने से बचने में मदद मिलेगी। यदि आप जिम या फिटनेस सेंटर में व्यायाम करना चाहते हैं, तो जिम प्रशिक्षक की मदद ले सकते हैं। यदि आप अपेक्षित व्यायाम करना पसंद करते हैं, तो आपके मार्गदर्शन के लिए बहुत सारे विकल्प ऑनलाइन उपलब्ध हैं। सही जूनों को तरजीह दें। जूनों की सही जोड़ी आपकी कसरत में खासा फर्क ला सकती है, इसलिए अपने स्वास्थ्य और फिटनेस में गतिशील रुप देखने की ओरशक्ति नहीं। कुछ दिनों में आपको पिछले सत्र जितना लंबा या कठिन व्यायाम करना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में चोट से

अप पहली बार कसरत शुरू करते हैं, तो धीरे-धीरे और अपनी क्षमता अनुसार इसकी शुरूआत और आप बढ़ना महत्वपूर्ण होता है। व्यायाम के लाभ दिखने में साहार या महिने भी लग सकते हैं, इसलिए अपने प्रभावी व्यायाम शुरू करते समय अपनी क्षमता से अधिक कसरत करना लिए धिन्ह से हो सकते हैं। लेकिन, सामान्य तौर पर अपके कसरत शुरू करने से पहले कम से कम पांच से दस मिनट का समय वार्म-

-

अप

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

क

# KASHYAP'S DENTAL CLINIC

**Dr. Vaibhav Kashyap**



Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए  
50% की छूट



## पुणे-सतारा हाईवे पर एसटी बस पलटी, 4 की मौत

मुंबई। उंगे जिले में वर्चे गांव के पास पुणे-सतारा हाईवे पर रविवार को सुबह 4 बाहनों के टकराने से एसटी बस पलट गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 20 यात्री घायल हो गए। हाईवे पुलिस ने घायलों को नियोनीक अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुणे-सतारा हाईवे पर वर्चे गांव के पास पुणे की ओर आ रहे एक कंटेनर को एसटी बस ने पीछे से जोरदार टक्कर कर मार दी। इससे एसटी बस अपीली फलत गई। उम्मीद है कि एसटी बस से आपस में टकरा गए। हाईवे पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। घटनास्थल ही चार लोगों की मौत हो गई है। जारी रखिए पुलिस ने चारों से शब पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

## कांग्रेस-द्रमुक नेतृत्व भ्रष्टाचार में लिप्त : शाह

एजेंसी। चेन्नई/नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने तमिलनाडु की द्रमुक सरकार और उनकी सहयोगी कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर पीढ़ी दी भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। शाह ने केंद्र सरकार की ओर से तमिल गरिमा को आगे बढ़ाने के प्रयत्नों का उल्लेख करते हुए राज्य की जनता से 2024 में प्रधानमंत्री के तौर पर नेरन्द्र मोदी को दोबारा चुनने में सहयोग करने की अपील की। अमित शाह रविवार को तमिलनाडु के वेलोंगों में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के द्रमुक सरकार को दूजी, तीसी और फोरजी पार्टियों की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि उनका अर्थ दूजी या श्रीमी घोटाले से नहीं बल्कि



दोनों पार्टियों में पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में बने रहने और भ्रष्टाचार करने से जुड़ा है। शाह ने कहा कि कर्मसुनिधि परिवार की जिस विधायिका का हिस्सा बनाए रखा है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 30 सालों में कांग्रेस और द्रमुक सरकार ने भ्रष्टाचार कर रहा है। वही गांधी परिवार की चौथी पीढ़ी में अब राहुल गांधी लाभ उठा रहे हैं। अब राहुल गांधी लाभ उठा रहे हैं। इसी

### आप की महारौली

## चौथी पास राजा को समझ नहीं आ रहा देश कैसे चलाएँ : केजरीवाल



भगवंत मान रामलीला मैदान पहुंचे।

केजरीवाल ने कहा कि चौथी पास राजा को समझ ही नहीं आ रहा है। चारों

ओर बेरोजगारी फैली हुई है। इनको समझ नहीं आ रहा है कि कैसे दूर करें। भ्रष्टाचार कैसे दूर करें। जीएसटी की वजह से व्यापारी परेशान हैं। लेकिन का क्या हाल कर राज्यपत्र मानदंडों का उल्लंघन करने का उल्लंघन करते हुए राज्यपत्र के सीएम बने। 12 साल युगरात के सीएम रहे। बीते 9 साल से पीएम हैं। 21 साल ही गए राजा करते-करते। मैं 2015 में सीएम बना। मेरे को 8 साल हो गए। आज उन्हें चैलेंज करता हूं। 21 साल और आठ साल किसने ज्यादा काम किया।

## राम मंदिर में रामलला की दो और मूर्तियां होंगी स्थापित



अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा।

अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा।

अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा।

अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा।

अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा।

अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची दो मूर्तियों को स्थापित करने के लिए जगह तय किया जाएगा।

अंजेसी। अन्योद्या (उप्र)

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त ने रामलला की दो अधिक मूर्तियों को मंदिर के बाकी बची दो मूर्तियों को मंदिर के बाहर नहीं भेजा जाएगा। उन्हें सम्पादन्त्रक विधि परिसर के भीतर एक उपर्युक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा। द्रस्त के सरस्य के अनुसुन्धान, मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल समान स्थान हो सकते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्रस्त रामलला की बची



# मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ दे दिया: मुचोवा



एजेंसी। पेरिस  
फ्रेंच ओपन के महिला एकल फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 इगा स्वीयाटेक से हारने वाली कैरोलिना मुचोवा ने कहा कि उन्होंने कोर्ट पर अपना सब कुछ छोंका दिया है। उन्हें कोई अफसोस नहीं है।

मुचोवा शनिवार को नाटकीय रूप से तीन सेट के फाइनल में गत चैंपियन स्वीयाटेक से हार गई। स्वीयाटेक 2007 में जर्सिटन हेनिन के बाद खिताब का बाचाव करने वाली पहली महिला बनी।

रैला गैरो में अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए अपनी खोज में विफल हो गए बाज़दूए, चेक खिलाड़ी ने अपने करियर के एक ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपने दो सर्वश्रेष्ठ सप्ताहों को संसाधा है। मुचोवा ने कहा, यह आत्मविश्वास के लिए अच्छा है। यह मुझसे कहता है कि इन बड़े परिणामों को हासिल करने के लिए सक्षम हूं। यह बहुत प्रेरणा है और भैंस जूँ मैंने पहले खेला था और मैंने कभी फाइनल नहीं खेला। इसलिए

निश्चित रूप से मेरे लिए भविष्य में काम करने और पिछे से खेलने का मौका पाने के लिए एक बड़ी सर्वश्रेष्ठ सप्ताहों को संसाधा है। मुचोवा ने कहा, यह आत्मविश्वास के लिए अच्छा है। यह मुझसे कहता है कि इन बड़े परिणामों को हासिल करने के लिए सक्षम हूं। यह बहुत प्रेरणा है और भैंस जूँ मैंने पहले खेला था और मैंने कभी फाइनल नहीं खेला। इसलिए